

“18 जनवरी स्मृति दिवस निमित्त विशेष सूचनाये”

प्राणप्यारे अव्यक्त बापदादा के अति स्नेही, सदा अपने तपस्वी स्वरूप द्वारा विश्व कल्याण की सेवा करने वाले, त्याग तपस्या की मूर्त निमित्त टीचर्स बहिनें तथा सर्व ब्राह्मण कुल भूषण भाई बहिनें, ईश्वरीय स्नेह सम्पन्न मधुर याद स्वीकार करना जी।

बाद समाचार - यह जनवरी मास विशेष वरदानी मास है, सभी सेवा स्थानों पर विशेष तपस्या भट्टियां चलती हैं। सभी अन्तर्मुखी बन अव्यक्तवतन की सैर करते हैं। मीठे बाबा ने मन और मुख के मौन पर भी ध्यान खिंचवाया है, इससे ही मनोबल बढ़ेगा और हम मन्सा द्वारा दुःख अशान्ति के वातावरण में शान्ति और शक्ति का दान दे सकेंगे। बोलो, ऐसा अटेन्शन रख सभी तपस्या कर रहे हो ना!

विशेष नोट

- 1- जनवरी मास की 1 तारीख से 31 तारीख तक के लिए मुरली के नीचे रोज़ तपस्या के लिए एक विशेष प्वाइंट लिखी गई हैं, उसी प्रमाण आप सब अभ्यास कर रहे होंगे। वह प्वाइंटस रोज़ क्लास रूम के बोर्ड पर भी लिखकर लगानी है। सभी को उसी स्वरूप में स्थित रहने, मनन-चिंतन करने की विधि बतानी है।
- 2- इस अव्यक्त मास में हर एक अपनी स्व-स्थिति को अच्छे से अच्छा बनाने के लिए विशेष मन और मुख के मौन से अनुभवों की गहराई में जाने का अभ्यास अवश्य करे।
- 3- डबल लाइट वा फरिश्ता स्थिति क्या है, उस स्वरूप का अनुभव करे और उड़ती कला द्वारा अव्यक्त वतन की विशेष सैर करे।
- 4- कार्य व्यवहार में आते जहाँ तक हो सके अन्तर्मुखता पर विशेष ध्यान हो, संकल्प बोल और समय की विशेष इकॉनामी करके जमा के खाते को बढ़ाये।
- 5- विशेष स्मृति दिवस के निमित्त प्यारे बापदादा की मधुर शिक्षाओं भरी अति गुह्य और रमणीक साकार और अव्यक्त महावाक्यों की मुरली आप सबके पास भेजी गई है, उसे प्रातःक्लास में विशेष एकाग्रचित होकर सुनें और पढ़ें और उसे सारा दिन अभ्यास में लायें।
- 6- 18 जनवरी बुद्धवार का दिन “विश्व शान्ति दिवस” के रूप में मनाया जाए। सभी अपने-अपने लौकिक कार्य-व्यवहार से छुट्टी लेकर अव्यक्त वतन की सैर करें, अमृतवेले से शाम तक विशेष योग तपस्या करें। मुरली क्लास के पश्चात सेवाकेन्द्र पर ही सभी हल्का नाश्ता (फल दूध) लेकर योग भट्टी करें। दोपहर के समय अपने-अपने स्थानों पर जा सकते हैं। शाम के समय जहाँ डायरेक्ट अव्यक्त महावाक्य इन्टरनेट के माध्यम से सुन सकते हैं वहाँ सुनें, अगर प्रबन्ध नहीं है तो दिव्य बुद्धि के विमान द्वारा बापदादा की सकाश को कैच करें। विशेष योग तपस्या करें।
- 7- अपनी सुविधानुसार किसी भी दिन बापदादा के जीवन चरित्र पर, सार्वजनिक कार्यक्रम रख सकते हैं। जिसमें साकार बाबा की शिक्षायें, उनसे मिली हुई दिव्य पालना का अनुभव कोई न कोई भाई बहिन सुनायें सम्बन्ध-सम्पर्क वाले भाई बहिनों को भी इस अव्यक्त दिवस की अनुभूति के लिए विशेष आमन्त्रित करें तथा उन्हें अलौकिक दिव्य वातावरण तथा बापदादा के दिव्य कर्तव्यों से अवगत करायें।
- 8- बापदादा की जीवन से सम्बन्धित लेख समाचार पत्रों में प्रकाशित करवायें तथा टी.वी. रेडियों द्वारा भी इसका प्रसारण हो जिससे अनेक आत्माओं को दिव्य सन्देश मिल सके। बाबा के जीवन चरित्र की वी.सी.डी. केबल टी.वी द्वारा प्रसारित करवाई जाए।